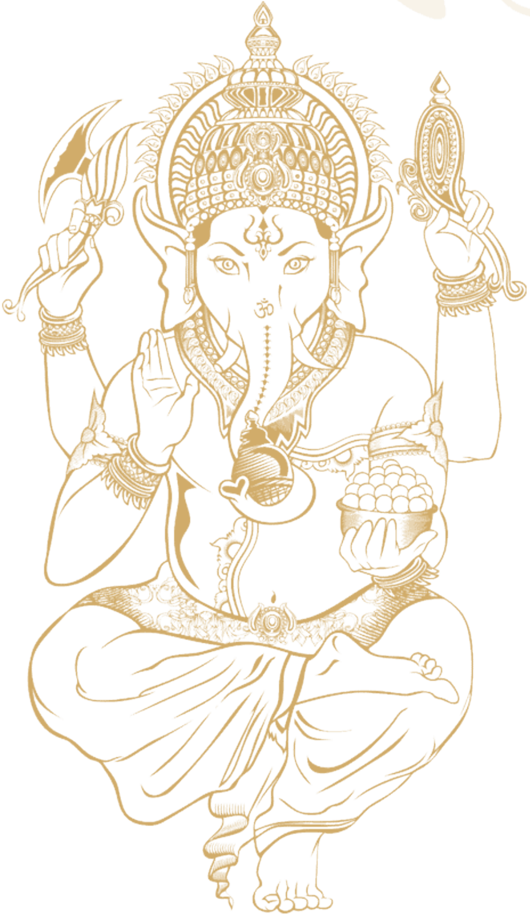

Mohit Ji

26 Oct 1974

12:05 AM

Jaipur

Model: web-freekundliweb

Order No: 121646011

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**25-26/10/1974**
दिन	शुक्र-शनिवार
जन्म समय	**00:05:00 घंटे**
इष्ट	43:52:58 घटी
स्थान	**Jaipur**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	26:53:00 उत्तर
रेखांश	75:50:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:26:40 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	23:38:20 घंटे
वेलान्तर	00:15:52 घंटे
साम्पातिक काल	01:53:23 घंटे
सूर्योदय	06:31:48 घंटे
सूर्यास्त	17:49:37 घंटे
दिनमान	11:17:49 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	08:27:31 तुला
लग्न के अंश	12:24:04 कर्क

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कर्क - चन्द्र
राशि-स्वामी	**कुम्भ - शनि**
नक्षत्र-चरण	**शतभिषा - 1**
नक्षत्र स्वामी	राहु
योग	वृद्धि
करण	गर
गण	राक्षस
योनि	अश्व
नाड़ी	आद्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मार्जार
युँजा	अन्त्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	गो-गोपाल
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृश्चिक

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कर्क	12:24:04	309:47:28	पुष्य	3	8	चंद्र	शनि	मंगल	---
सूर्य			तुला	08:27:31	00:59:48	स्वाति	1	15	शुक्र	राहु	राहु	नीच राशि
चंद्र			कुंभ	07:48:16	11:57:37	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	राहु	सम राशि
मंगल		अ	तुला	04:47:46	00:40:17	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	शुक्र	सम राशि
बुध	व	अ	तुला	07:58:33	01:15:42	स्वाति	1	15	शुक्र	राहु	राहु	मित्र राशि
गुरु	व		कुंभ	14:36:26	00:01:46	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	केतु	सम राशि
शुक्र		अ	तुला	05:27:58	01:15:11	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	सूर्य	मूलत्रिकोण
शनि			मिथु	25:22:01	00:00:39	पुनर्वसु	2	7	बुध	गुरु	बुध	मित्र राशि
राहु	व		वृश्चि	17:31:35	00:04:32	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	बुध	शत्रु राशि
केतु	व		वृष	17:31:35	00:04:32	रोहिणी	3	4	शुक्र	चंद्र	शनि	सम राशि
हर्ष			तुला	04:52:22	00:03:46	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	शुक्र	---
नेप			वृश्चि	14:30:11	00:01:54	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	राहु	---
प्लूटो			कन्या	14:08:53	00:02:09	हस्त	2	13	बुध	चंद्र	गुरु	---
दशम भाव			मेष	06:56:55	--	अश्विनी	--	1	मंगल	केतु	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:30:34

लग्न-चलित

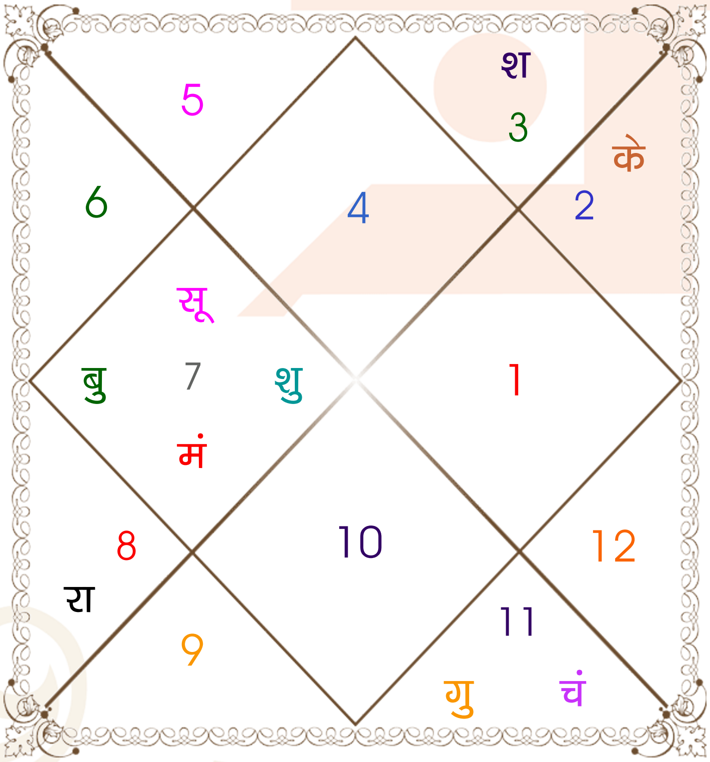

चन्द्र कुंडली

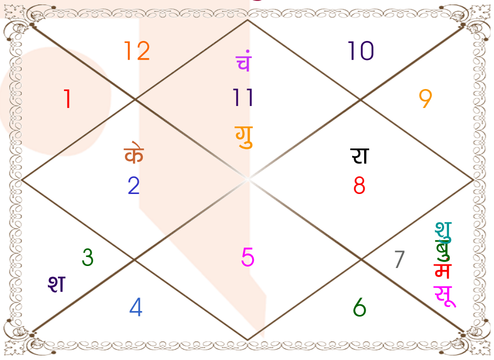

नवमांश कुंडली

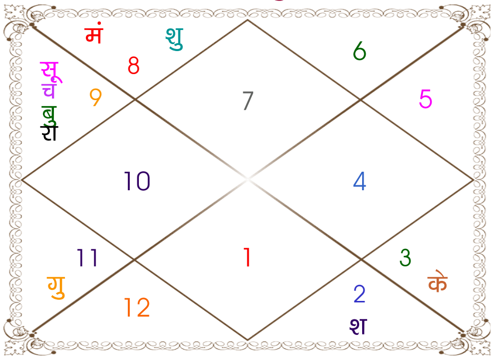

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : राहु 16 वर्ष 5 मास 17 दिन

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
26/10/1974		13/04/1991		13/04/2007		13/04/2026		13/04/2043	
13/04/1991		13/04/2007		13/04/2026		13/04/2043		13/04/2050	
राहु	25/12/1975	गुरु	31/05/1993	शनि	16/04/2010	बुध	08/09/2028	केतु	09/09/2043
गुरु	19/05/1978	शनि	12/12/1995	बुध	24/12/2012	केतु	06/09/2029	शुक्र	08/11/2044
शनि	25/03/1981	बुध	19/03/1998	केतु	02/02/2014	शुक्र	06/07/2032	सूर्य	16/03/2045
बुध	13/10/1983	केतु	23/02/1999	शुक्र	03/04/2017	सूर्य	13/05/2033	चंद्र	15/10/2045
केतु	30/10/1984	शुक्र	24/10/2001	सूर्य	16/03/2018	चंद्र	12/10/2034	मंगल	13/03/2046
शुक्र	31/10/1987	सूर्य	12/08/2002	चंद्र	16/10/2019	मंगल	10/10/2035	राहु	01/04/2047
सूर्य	24/09/1988	चंद्र	12/12/2003	मंगल	23/11/2020	राहु	28/04/2038	गुरु	07/03/2048
चंद्र	25/03/1990	मंगल	17/11/2004	राहु	30/09/2023	गुरु	03/08/2040	शनि	15/04/2049
मंगल	13/04/1991	राहु	13/04/2007	गुरु	13/04/2026	शनि	13/04/2043	बुध	13/04/2050

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
13/04/2050		13/04/2070		12/04/2076		13/04/2086		12/04/2093	
13/04/2070		12/04/2076		13/04/2086		12/04/2093		00/00/0000	
शुक्र	12/08/2053	सूर्य	31/07/2070	चंद्र	11/02/2077	मंगल	09/09/2086	राहु	26/10/2094
सूर्य	12/08/2054	चंद्र	30/01/2071	मंगल	12/09/2077	राहु	27/09/2087		00/00/0000
चंद्र	12/04/2056	मंगल	07/06/2071	राहु	13/03/2079	गुरु	02/09/2088		00/00/0000
मंगल	12/06/2057	राहु	30/04/2072	गुरु	12/07/2080	शनि	12/10/2089		00/00/0000
राहु	12/06/2060	गुरु	17/02/2073	शनि	11/02/2082	बुध	09/10/2090		00/00/0000
गुरु	11/02/2063	शनि	30/01/2074	बुध	13/07/2083	केतु	07/03/2091		00/00/0000
शनि	13/04/2066	बुध	06/12/2074	केतु	11/02/2084	शुक्र	07/05/2092		00/00/0000
बुध	11/02/2069	केतु	13/04/2075	शुक्र	12/10/2085	सूर्य	11/09/2092		00/00/0000
केतु	13/04/2070	शुक्र	12/04/2076	सूर्य	13/04/2086	चंद्र	12/04/2093		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल राहु 16 वर्ष 5 मा 14 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पुष्य नक्षत्र के तृतीय चरण में हुआ। उस क्षण मेदिनीय क्षतिज पर कर्क लग्न के साथ-साथ तुला राशि का नवमांश एवं वृश्चिक राशि का द्रेष्काण भी उदित था। इस लग्नादि प्रभाव से यह संकेत प्राप्त होता है कि आपका जीवन स्तर अति समृद्ध, धनयुक्त एवं सम्मानजनक होगा।

आप ईश्वर के प्रति समर्पित अर्थात् पूर्ण श्रद्धावान एवं आस्तिक विचार के होंगे। आप धर्म, अध्यात्म एवं दर्शनशास्त्र की शिक्षा ग्रहण करेंगे। आप अपने सम्पर्क के बहु संख्यक व्यक्तियों के मध्य प्रसिद्ध होंगे। क्योंकि आपकी अभिरूचि स्थायीरूप से धार्मिक है। आप धार्मिक स्थानों का परिभ्रमण एवं परिदर्शन करेंगे तथा अपना धन लोकहित में दान करेंगे।

वास्तव में आप धन संचय करना चाहते हैं। परन्तु आप मात्र विश्वसनीयता पूर्वक ही ऐसा करेंगे। आप 6 वर्ष की आयु से वृद्धि कर आय (प्राप्त) ग्रहण कर सकते हैं।

आपके रूप का प्रमुख लक्षण आपकी सुन्दर आंखों द्वारा प्रकट होता है। आपके प्राधिकृत व्यक्ति जिन के साथ आप व्यवहार कर सकते हैं, वे आपकी आँखों से प्रभावित होकर आपको तथा आपके कार्यकलाप को पसन्द करते हैं।

यह सत्यापित है कि आपकी सम्मोहक आखें आपको प्यार सम्बंध की ओर प्रवृत कर सकता है। जिस झुकाव के कारण आपके परिवार की नैया अन्य धारा की ओर (झुक) प्रवाहित हो (मुड जा) सकती है। जिस वजह से आपके परिवारिक प्राणी यथा आपकी पत्नी एवं बच्चों के समक्ष परम संकट उपस्थित हो सकता है।

आपकी उतेजक मनोदशा, आपकी पत्नी के साथ अपराध उजागर कर सकता है। परिणाम स्वरूप निरन्तर आप लोगों का मतान्तर बढ़ता जाएगा-अस्तु उत्तम तो यह है कि आप इस प्रकार की प्रवृति का त्याग कर दें।

आप जलीय व्यवसाय को बहुत पसन्द करते है तथा जल संबंधी व्यापार का ही चयन करना उत्तम भी होगा। आपको अच्छी प्रकार जलीय व्यवसायों ही ग्रहण कर उत्तम पेशा से उन्नति प्राप्त करना ठीक होगा। जैसे सिचाई विभाग, कृषि कार्य, जहाजरानी से सम्बंधित कार्य, तटबंध एवं नहर आदि सिचाई विभाग के कार्य अनुकूल है।

आप प्रभावशाली अस्तित्व प्राप्ति हेतु राजनीति एवं सामान्य प्रशासनिक सेवा कार्य हेतु सतत प्रयासरत रह सकते हैं।

प्रायः आप ऐसे परिवर्त्तनशील विचार के प्राणी है कि आप अन्वेषण कर, अपनी दैनिक चर्चा परिवर्तित कर जीवन की चर्या को सुधार सकते हैं।

आप उपयुक्त समय पर किसी भी प्रकार की यात्रा का सुअवसर अवश्य प्राप्त करेगें क्योंकि आप विस्तृत परिमाण में अपने मित्रों की संख्या रखना चाहते हैं तथा उन्हें अपना शुभचिन्तक बनना चाहेंगे। ताकि वे पूर्ण समर्पित भाव से आपका सहयोग कर सकें।

आप में उच्च श्रेणी की व्यग्रता विद्यमान रहती है जो आपके चिड़-चिड़ेपन का द्योतक है। आपको अपने इस गम्भीर उत्तेजनात्मक प्रवृति के प्रति सतर्क रह कर शीघ्रतापूर्वक त्याग कर देना चाहते हैं। परन्तु आप शीघ्रतापूर्वक पुनः शान्ति एवं सामंजस्य नहीं करेंगे।

कर्क राशि विद्यमान के अनुसार हृदय एवं उदर सम्बंधी अपाचनिक क्रिया-कलाप के प्रति पूर्णरूपेन सर्तकता बरतें। आधुनिक भोजन सम्बंधी अति भोजन की प्रवृति को त्याग दें तथा अति मद्यपान की प्रवृति का त्याग करना भी आपके लिए सहायक होगा। आप सदैव ही दमा रोग, गलगण्ड रोग के संक्रमण, वायु विकार, अल्सर एवं कैंसर रोग के प्रति सर्तक रहें।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में शुक्रवार एवं शनिवार पूर्ण आनन्द प्रदायक नही होगा। मंगलवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन सफलता प्रदायक होगा। बुधवार का दिन चिन्तनीय एवं व्ययकारी होगा। परन्तु रविवार का दिन सचेत रहने योग्य है।

वास्तव में अंकों में अंक 4 एवं 6 अंक आपके लिए प्रभावशाली एवं अनुकूल है। परन्तु यह स्पष्ट है कि अंक 3 एवं 5 अंक आपके लिए त्याज्य है। आपके लिए अनुकूल रंग, सफेद, क्रीम, लाल एवं पीला रंग है। आपको ब्लू एवं हरे रंग का सर्वथा त्याग करना चाहिए। आपके लिए अनुकूल रंग सफेद, क्रीम, लाल एवं पीला रंग है। आपको ब्लू एवं हरे रंग का सर्वथा त्याग करना चाहिए।